

उत्तरांचल शासन

सूत्रगा अनुग्रह

संख्या ६२/पुलांराम/२००२/४७ इन्हाम/२००२

देवरामदूः : दिनांक : २३ अक्टूबर, २००२

कार्यालय ज्ञाप।

अधोहस्ताक्षरी को यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तरांचल प्रेरा प्रतिनिधि गान्धी नियमावली-२००१ के प्रत्यर तीन के प्रविधानों के अंतर्गत श्री राज्यपाल गवर्नर राज्य प्रेरा गान्धी समिति में निम्न गणनुगावों को नामित किये जाने की राहिं रचीकृति प्रदान करते हैं :-

✓ १-	श्री रुपाप गुप्ता	अमर कुमार
✓ २-	श्री अशोक पाण्डे	दीनेन जागरण
✓ ३-	श्री इकनाल गारु	दुर्ग दर्पण
✓ ४-	श्री जीतमान तलांडी	भिपाका लालेच
✓ ५-	श्री एराठमाठ काळी	इन्द्रियन एकाप्रथा
✓ ६-	श्री रीठिकौ चन्द्रगोहन	दिनू
✓ ७-	श्री अविकल थपलियाल	दिनुरत्तान
✓ ८-	श्री उत्पल पराशर	दिनुरत्तान लाईमा
✓ ९-	श्री आर०पी० नेनगाल	टाईमा ऑफ इंडिया
✓ १०-	श्रुती जसकिरण चौपडा	यू०एन०आई०
✓ ११-	श्री रुनील दत्त पाण्डे	जनरात्ता
✓ १२-	श्री तारा चन्द्र गुरुरानी	अमर उजाला
✓ १३-	श्री दीवान सिंह बोरा	दैनिक जागरण
✓ १४-	श्री राजय तलगाड़	पंजाब केरारी

महानिदेशक / अधिकारी निदेशक, शूत्रगा निदेशालय उत्तरांचल अथवा उनके हारा नामित प्रतिनिधि समिति के पदेन संगोलक होंगे।

2- उत्तरांचल प्रेरा गान्धी नियमावली-२००१ के प्रत्यर-३ के अनुरूप समिति का राज्याल्य कार्यकाल ०२ वर्ष का होगा, मिन्हु शासन हारा समिति को कभी भी राज्योन्नित अल्पा गंगा किया जा सकता है।

3- उपरोक्त नियमावली के अनुरार अध्यक्ष का चुनाव रामिति द्वारा रख्य किया जाना है तथा उत्तरांचल विज्ञापन गान्धी नियमावली-२००१ की व्यवस्थाओं के अधीन रामिति द्वारा कार्य किया जाना अपेक्षित है।

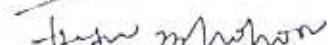
राम नाथ खोरा
(१००५-१० परावर)
रामेत।

राज्या-६८/रु०लो०४१०/२००२, राज्यालिंगित।

प्रतिलिपि गिनालिखित को रूचनार्थ प्रेसित।

- १- सचिव श्री राज्यपाल, उत्तरांचल।
- २- प्रमुख राज्य भान्डीय मुद्रणालय जी, उत्तरांचल ३०००१।
- ३- गिरी राज्य भान्डीया रूचना भवी जी, उत्तरांचल ३०००।
- ४- गिरी राज्य भान्डीय संस्कृत अकादमी उत्तरांचल ३०००।
- ५- उपरोक्त रामरत राज्यपाल।
- ६- गहानिदेशक, रूचना निदेशालय, चेहरावडा।
- ७- रामरत जिला रूचना अधिकारी, उत्तरांचल।
- ८- उप निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, लखनऊ को उस आशंका से नि-काया इस रूपी/आदेश को राज्यालय गजट में प्रत्याशित करने का कहा गये।

आशा रे,


 (६-१०४-१० पराम)
 राज्य।